

UGC NET/JRF • SET • TGT • PGT • UPSC • RPSC

रीतिकाल

हिन्दी साहित्य • MCQ प्रश्नोत्तरी

750+ प्रश्नोत्तरी

रीतिबद्ध • आचार्य कवि

रीतिसिद्ध • बिहारी सतसई

रीतिमुक्त • घनानंद

वीर • नीति • भक्ति काव्य

NET स्तर के कठिन प्रश्न

उत्तर साथ में • व्याख्या सहित

केवल कृष्ण घोड़ेला

एम.ए., बी.एड., नेट (हिंदी) • कॉलेज व्याख्याता



store.hindisahity.com

इस PDF में क्या-क्या है? — विषय-सूची एवं पृष्ठ-सारणी

कुल 779 प्रश्न • 10 सेट • हर सेट के बाद उत्तर-सारणी, उत्तरमाला-व्याख्या और आपके अपने नोट्स के पृष्ठ — देखिए कौन-सा टॉपिक किस पृष्ठ पर है।

सेट / टॉपिक (खण्ड)	प्रश्न	प्रश्न-पृष्ठ	उत्तर-व्याख्या पृष्ठ	नोट्स पृष्ठ
सेट-1 : रीतिकाल : पृष्ठभूमि, नामकरण, काल-सीमा और वर्गीकरण	74 प्रश्न	3-7	8-10	11-12
क. नामकरण — किसने क्या कहा?	1-13	3		
ख. प्रवर्तक-विवाद और काल-सीमा	14-24	3-4		
ग. वर्गीकरण — मिश्र, नगेन्द्र, बच्चन सिंह	25-41	4-5		
घ. प्रवृत्तियाँ और सामाजिक-राजनीतिक पृष्ठभूमि	42-57	5-6		
ङ. संस्कृत काव्यशास्त्र का आधार और 'रीति' का अर्थ	58-74	6-7		
सेट-2 : केशवदास, सेनापति और आरम्भिक रीति-आचार्य	85 प्रश्न	13-17	18-20	21-22
क. केशवदास : जीवन, आश्रय और रचनाएँ	1-39	13-14		
ख. सेनापति और केशव-पूर्व/समकालीन आचार्य	40-56	14-15		
ग. कुलपति, सुखदेव, जसवंत सिंह, श्रीपति आदि	57-85	15-17		
सेट-3 : चिन्तामणि, मतिराम और भूषण (त्रिपाठी बंधु)	79 प्रश्न	23-27	28-30	31-32
क. चिन्तामणि त्रिपाठी	1-23	23-24		
ख. मतिराम	24-44	24-25		
ग. भूषण	45-79	25-27		
सेट-4 : देव, भिखारीदास, पद्माकर, ग्वाल तथा अन्य रीतिबद्ध आचार्य	99 प्रश्न	33-37	38-40	41-42
क. देव	1-27	33-34		
ख. भिखारीदास (दास)	28-42	34		
ग. पद्माकर	43-65	34-35		
घ. ग्वाल, प्रताप साहि, रसलीन आदि	66-99	35-37		
सेट-5 : बिहारी और रीतिसिद्ध काव्यधारा	93 प्रश्न	43-47	48-50	51-52
क. बिहारी : जीवन और सतसई	1-30	43-44		
ख. बिहारी की पंक्तियाँ और सतसई की टीकाएँ	31-66	44-46		
ग. रीतिसिद्ध कवि : वृन्द, रसनिधि आदि	67-93	46-47		
सेट-6 : रीतिमुक्त काव्यधारा : घनानंद, आलम, बोधा, ठाकुर, द्विजदेव	89 प्रश्न	53-57	58-60	61-62
क. रीतिमुक्त काव्य : स्वरूप और प्रवृत्तियाँ	1-14	53		
ख. घनानंद	15-48	53-55		
ग. आलम, बोधा, ठाकुर, द्विजदेव, रसखान	49-89	55-57		
सेट-7 : वीर, नीति, प्रबंध, नाटक और अन्य रीतिकालीन काव्य-प्रवृत्तियाँ	65 प्रश्न	63-66	67-68	69-70
क. वीर काव्य	1-18	63		
ख. नीतिकाव्य	19-39	63-64		
ग. नाटक, हास्य-व्यंग्य, संकलन, टीका और विविध	40-65	64-66		
सेट-8 : रीतिकालीन भक्ति-काव्य : संत, सूफी, राम-कृष्ण तथा प्रेमाख्यान	83 प्रश्न	71-74	75-77	78-79
क. संत काव्यधारा	1-27	71-72		
ख. सूफी और लौकिक प्रेमाख्यान	28-51	72-73		
ग. राम और कृष्ण भक्ति-काव्य	52-83	73-74		
सेट-9 : रीतिकालीन गद्य, टीका-साहित्य, संपादक तथा आलोचना	46 प्रश्न	80-82	83-84	85-86
क. ब्रज, खड़ीबोली और अन्य गद्य	1-18	80		
ख. दक्खिनी, राजस्थानी, अवधी गद्य	19-30	80-81		
ग. संपादन, आलोचना और रीति-काव्य संबंधी ग्रंथ	31-46	81-82		
सेट-10 : रीतिकाल : पंक्ति-पहचान, कालक्रम, मिलान और परीक्षा-अभ्यास	66 प्रश्न	87-91	92-93	94-95
क. पंक्ति-कवि पहचान	1-25	87-88		
ख. कालक्रम और जीवनकाल	26-36	88		
ग. मिलान, शुद्ध-अशुद्ध और ट्रेड-आधारित प्रश्न	37-66	88-91		

सेट-1 : रीतिकाल : पृष्ठभूमि, नामकरण, काल-सीमा और वर्गीकरण

प्रश्न 74

समय 56 मिनट

✓ सही उत्तर +1

आपका स्कोर : ____ / 74

क. नामकरण – किसने क्या कहा?

1. हिंदी साहित्य के उत्तरमध्यकाल को ग्रियर्सन ने किस नाम से अभिहित किया?

- (क) अलंकृत काल (ख) रीतिकाव्य
(ग) शृंगारकाल (घ) चारणकाल

2. मिश्रबंधुओं ने उत्तरमध्यकाल को क्या नाम दिया?

- (क) अलंकृत काल (ख) रीतिकाल
(ग) कलाकाल (घ) अंधकार काल

3. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ने रीतिकाल को किस नाम से पुकारा?

- (क) कलाकाल (ख) अलंकृत काल
(ग) अंधकार काल (घ) शृंगारकाल

4. रीतिकाल को 'कलाकाल' नाम किसने दिया?

- (क) डॉ. नगेन्द्र
(ख) बच्चन सिंह
(ग) डॉ. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'
(घ) रामकुमार वर्मा

5. रीतिकाल के लिए 'अंधकार काल' संज्ञा का प्रयोग किसने किया?

- (क) रामचन्द्र शुक्ल (ख) त्रिलोचन
(ग) मिश्रबंधु (घ) डॉ. नगेन्द्र

6. सुमेलित कीजिए – (रीतिकाल की संज्ञा / प्रस्तावक)

सूची-I	सूची-II
A. रीतिकाल	1. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'
B. अलंकृत काल	2. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
C. शृंगारकाल	3. मिश्रबंधु
D. कलाकाल	4. रामचन्द्र शुक्ल

- (क) A-4, B-3, C-2, D-1
(ख) A-3, B-4, C-2, D-1
(ग) A-4, B-3, C-1, D-2
(घ) A-4, B-1, C-2, D-3

7. रीतिकाल के नामकरण के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

I. ग्रियर्सन ने इस काल को 'रीतिकाव्य' कहा।

II. मिश्रबंधुओं ने इसे 'शृंगारकाल' कहा।

III. रामचन्द्र शुक्ल ने इसे 'रीतिकाल' कहा।

IV. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल' ने इसे 'कलाकाल' कहा।

- (क) I, II, III और IV (ख) केवल I और III
(ग) केवल I और IV (घ) केवल I, III और IV

8. शुक्ल ने रीतिकाल की काल-सीमा क्या निर्धारित की है?

- (क) सं. 1650 से सं. 1850 (ख) सं. 1375 से सं. 1700
(ग) सं. 1700 से सं. 1900 (घ) सं. 1750 से सं. 1950

9. शुक्ल द्वारा निर्धारित रीतिकाल की काल-सीमा का इसवी रूप क्या है?

- (क) 1700 ई. से 1900 ई. (ख) 1643 ई. से 1843 ई.
(ग) 1650 ई. से 1850 ई. (घ) 1600 ई. से 1800 ई.

10. शुक्ल ने रीतिकाल के कवियों को किन दो वर्गों में बाँटा?

- (क) रीतिग्रंथकार कवि तथा अन्य कवि
(ख) रीतिबद्ध तथा रीतिमुक्त
(ग) रीतिसिद्ध तथा रीतिबद्ध
(घ) आचार्य कवि तथा कवि-शिक्षक

11. "वास्तव में शृंगार और वीर इन्हीं दो रसों की कविता इस काल में हुई। प्रधानतः शृंगार की रही।" – यह किसका कथन है?

- (क) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(ख) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(ग) डॉ. नगेन्द्र
(घ) रामचन्द्र शुक्ल

12. ग्रियर्सन ने 'रीतिकाव्य' के अंतर्गत किन कवियों को रखा?

- (क) कबीर, जायसी, सूर, तुलसी
(ख) चंद, विद्यापति, खुसरौ
(ग) केशवदास, बलभद्र, सुंदर, चिन्तामणि, भूषण, मतिराम, प्रताप साहि
(घ) भारतेन्दु, श्रीधर, प्रतापनारायण

13. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : रामचन्द्र शुक्ल ने उत्तरमध्यकाल का नाम 'रीतिकाल' रखा।

कारण (R) : इस काल में लक्षण-ग्रंथों की परिपाटी पर काव्य-रचना की प्रधान प्रवृत्ति थी।

- (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

ख. प्रवर्तक-विवाद और काल-सीमा

14. कालक्रम की दृष्टि से रीतिकाव्य परम्परा का आरम्भ किस कवि से माना जाता है?

- (क) कृपाराम (ख) केशवदास
(ग) चिन्तामणि (घ) बिहारी

15. डॉ. नगेन्द्र ने रीतिकाल का प्रवर्तक किसे माना है?

- (क) चिन्तामणि (ख) कृपाराम
(ग) मतिराम (घ) केशवदास

16. शुक्ल ने अखण्ड रीति-परम्परा चलाने की दृष्टि से रीतिकाव्य का प्रवर्तक किसे माना है?

- (क) केशवदास (ख) कृपाराम
(ग) चिन्तामणि त्रिपाठी (घ) देव

53. रीतिकाल में वीर रस की कविता का सर्वप्रमुख नाम कौन है?

- (क) पद्माकर (ख) भूषण
(ग) मतिराम (घ) देव

54. राष्ट्रीय अथवा जातीय भावना के साथ वीर-भावना को जोड़कर उसे नवीन आयाम देने वाले रीतिकालीन कवि कौन थे?

- (क) भूषण और लाल कवि (ख) देव और बिहारी
(ग) घनानंद और बोधा (घ) केशव और पद्माकर

55. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : रीतिकालीन काव्य में सामाजिक जीवन का प्रतिबिम्ब कम मिलता है।

कारण (R) : अधिकांश रीतिकवि राजाओं-रईसों के दरबार के आश्रित थे।

- (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

56. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : रीतिकाल में प्रबंध काव्य-परम्परा कमजोर पड़ी।

कारण (R) : मुक्तक रचना दरबारों की प्रशंसा-संस्कृति के अनुकूल थी।

- (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

57. शुक्ल ने 'शृंगार और वीर' के अलावा रीतिकाल की कविता पर क्या टिप्पणी की कि वह किस ओर नहीं गई?

- (क) केवल प्रेम-कविता तक
(ख) अनुभव के बहुत-से गोचर-अगोचर विषयों तक
(ग) ब्रजभाषा से बाहर
(घ) दोहे के बाहर

ड. संस्कृत काव्यशास्त्र का आधार और 'रीति' का अर्थ

58. रीतिकाल में 'रीति' शब्द से आशय क्या है?

- (क) काव्यांग-निरूपण (काव्य-रचना पद्धति)
(ख) केवल अलंकार
(ग) केवल छन्द
(घ) वीर रस

59. शृंगार रस तथा नायक-नायिका भेद के निरूपण के लिए रीति-कवियों ने किस संस्कृत ग्रंथ का आधार लिया?

- (क) मम्मट का 'काव्यप्रकाश'
(ख) जयदेव का 'चंद्रालोक'
(ग) विश्वनाथ का 'साहित्यदर्पण'
(घ) भानुदत्त की 'रसमंजरी'

60. रीतिग्रंथों में अलंकार-निरूपण के लिए मुख्यतः किन संस्कृत ग्रंथों का आधार लिया गया?

- (क) मम्मट का 'काव्यप्रकाश'
(ख) भट्टकेदार का 'वृत्तरत्नाकर'
(ग) जयदेव का 'चंद्रालोक' और अप्पयदीक्षित का 'कुवलयानंद'
(घ) भानुदत्त की 'रसमंजरी'

61. रीतिग्रंथों में छन्द-विवेचन का आधार कौन-से ग्रंथ रहे?

- (क) काव्यप्रकाश
(ख) वृत्तरत्नाकर (भट्टकेदार), छन्दोमंजरी (गंगादास), प्राकृतपैंगलम
(ग) रसमंजरी
(घ) चंद्रालोक

62. काव्य के सभी अंगों का एक साथ विवेचन करने वाले संस्कृत ग्रंथ कौन-से हैं, जिनकी शैली पर सर्वांग-निरूपक रीतिग्रंथ लिखे गए?

- (क) काव्यप्रकाश (मम्मट) और साहित्यदर्पण (विश्वनाथ)
(ख) चंद्रालोक और कुवलयानंद
(ग) रसमंजरी और रसतरंगिणी
(घ) वृत्तरत्नाकर और छन्दोमंजरी

63. 'गाथासप्तशती' के रचयिता कौन हैं?

- (क) अमरुक (ख) गोवर्द्धनाचार्य
(ग) जयदेव (घ) हाल

64. सुमेलित कीजिए – (संस्कृत/प्राकृत ग्रंथ / रचयिता)

सूची-I	सूची-II
A. गाथासप्तशती	1. हाल
B. अमरुकशतक	2. भानुदत्त
C. आर्यासप्तशती	3. गोवर्द्धनाचार्य
D. रसमंजरी	4. अमरुक

- (क) A-1, B-2, C-3, D-4
(ख) A-1, B-3, C-4, D-2
(ग) A-2, B-4, C-3, D-1
(घ) A-1, B-4, C-3, D-2

65. रीति-आचार्यों द्वारा रीति-निरूपण में सबसे प्रमुख दोष क्या माना गया है?

- (क) अत्यधिक मौलिकता
(ख) सिद्धान्त-प्रतिपादन में मौलिकता का अभाव
(ग) भाषा की जटिलता
(घ) ग्रंथों की संख्या कम होना

66. हिंदी के रीति-आचार्यों का प्रमुख योगदान क्या माना जाता है?

- (क) भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा को हिंदी में सरस रूप में प्रस्तुत करना
(ख) नए रस-सिद्धान्त का प्रवर्तन
(ग) ध्वनि-सिद्धान्त का खंडन
(घ) छन्दों का आविष्कार

67. संस्कृत काव्यशास्त्र की परम्परा को हिंदी में लाने का श्रेय किसे दिया जाता है?

- (क) बिहारी (ख) घनानंद
(ग) भूषण (घ) केशवदास

68. "जिनको 'आचार्य' कहा जाता है वे रीतिकाल के किस वर्ग के कवि हैं?" – सही उत्तर चुनिए।

- (क) रीतिमुक्त (ख) रीतिसिद्ध
(ग) रीतिबद्ध (घ) भक्त

69. रीतिकाव्य को 'कविता के सौदागर' का काव्य किस आलोचक ने कहा?

- (क) रामचन्द्र शुक्ल (ख) बच्चन सिंह
(ग) हजारीप्रसाद द्विवेदी (घ) नगेन्द्र

70. रीति-ग्रंथों की 'अखण्ड और अविरल' परम्परा का प्रवर्तन केशव की 'कविप्रिया' के प्रायः कितने वर्ष बाद शुक्ल मानते हैं?

- (क) पचास वर्ष (ख) दस वर्ष
(ग) पच्चीस वर्ष (घ) सौ वर्ष

69. रीतिकाल के वीर रस के कवि के रूप में विख्यात भूषण किस काव्यधारा से सम्बद्ध माने जाते हैं?

- (क) रीतिमुक्त (ख) रीतिबद्ध
(ग) रीतिसिद्ध (घ) सूफी

70. रीतिकाल में वीर रस में कविता करने वाला एकमात्र प्रमुख कवि कौन माना गया?

- (क) भूषण (ख) पद्माकर
(ग) मतिराम (घ) देव

71. निम्नलिखित कथनों पर सत्य/असत्य के रूप में विचार कीजिए :

- I. भूषण को 'भूषण' उपाधि चित्रकूट नरेश रुद्रशाह सोलंकी ने दी।
 - II. 'शिवराजभूषण' में 105 अलंकार निरूपित हैं।
 - III. भूषण की भाषा व्याकरण की दृष्टि से निर्दोष मानी गई है।
 - IV. छत्रसाल दशक भूषण की रचना है।
- (क) I सत्य, II सत्य, III सत्य, IV सत्य
(ख) I सत्य, II सत्य, III असत्य, IV सत्य
(ग) I सत्य, II असत्य, III असत्य, IV सत्य
(घ) I असत्य, II सत्य, III असत्य, IV सत्य

72. जन्मकाल के आधार पर क्रमबद्ध कीजिए (प्राचीन से नवीन) :

- A. देव (1673)
B. जसवंत सिंह (1626)
C. चिन्तामणि (1609)
D. केशवदास (1555)
- (क) D → C → A → B (ख) D → C → B → A
(ग) D → B → C → A (घ) D → B → A → C

73. कालक्रम से कवियों को सजाइए (जन्म के अनुसार) :

- A. घनानंद (1689)
B. मतिराम (1617)
C. भूषण (1613)
D. पद्माकर (1753)
- (क) D → C → A → B (ख) D → B → A → C
(ग) A → C → B → D (घ) C → B → A → D

74. सुमेलित कीजिए – (कवि / कृति)

सूची-I	सूची-II
A. चिन्तामणि	1. भाषाभूषण
B. मतिराम	2. कविकुलकल्पतरु
C. भूषण	3. शिवराजभूषण
D. जसवंत सिंह	4. ललितललाम

- (क) A-2, B-3, C-4, D-1
(ख) A-2, B-4, C-3, D-1
(ग) A-2, B-1, C-3, D-4
(घ) A-4, B-2, C-3, D-1

75. सुमेलित कीजिए – (आश्रयदाता / कवि)

सूची-I	सूची-II
A. रुद्रशाह सोलंकी	1. चिन्तामणि
B. बूँदी नरेश भावसिंह	2. मतिराम
C. शाहजी भोंसला	3. बिहारी
D. जयपुर नरेश जयसिंह	4. भूषण

- (क) A-1, B-2, C-4, D-3
(ख) A-4, B-1, C-2, D-3
(ग) A-3, B-2, C-1, D-4
(घ) A-4, B-2, C-1, D-3

76. कथनों पर विचार कीजिए – कितने सही हैं?

- I. चिन्तामणि 1609-1685 ई. के कवि हैं।
- II. मतिराम के ग्रंथों में 'वृत्तकौमुदी' भी है।
- III. भूषण का वास्तविक नाम घनश्याम था।
- IV. 'शिवाबावनी' मतिराम की रचना है।

- (क) केवल एक
(ख) केवल दो
(ग) केवल तीन
(घ) सभी चार

77. निम्नलिखित अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए :

अभिकथन (A) : भूषण को राष्ट्रकवि/प्रथम राष्ट्रीय कवि कहा जाता है।

कारण (R) : उन्होंने शिवाजी और छत्रसाल की वीरता का वर्णन राष्ट्रीय एवं जातीय चेतना से जोड़कर किया।

- (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है
(ख) A और R दोनों सही हैं, परंतु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(ग) A सही है, किंतु R गलत है
(घ) A गलत है, किंतु R सही है

78. शुक्ल के अनुसार भूषण और रीतिकाल के अन्य रीतिकवि चिन्तामणि-मतिराम में क्या संबंध माना जाता है?

- (क) जनश्रुति के अनुसार भाई
(ख) गुरु-शिष्य
(ग) पिता-पुत्र
(घ) कोई संबंध नहीं

79. रीतिकाल में 'तिकवाँपुर' गाँव से सम्बद्ध प्रसिद्ध कवि कौन-से माने जाते हैं?

- (क) देव, बिहारी, पद्माकर
(ख) आलम, घनानंद, बोधा
(ग) वृन्द, रसनिधि, नेवाज
(घ) चिन्तामणि, भूषण, मतिराम

38. सुमेलित कीजिए – (ग्रंथ / ग्रंथकार)

सूची-I	सूची-II
A. अंगदपर्वण	1. रसनिधि
B. आलमकेलि	2. मुरलीधर भूषण
C. रतनहजारा	3. रसलीन
D. अलंकार प्रकाश	4. आलम

- (क) A-3, B-4, C-1, D-2
 (ख) A-3, B-4, C-2, D-1
 (ग) A-4, B-3, C-1, D-2
 (घ) A-3, B-1, C-4, D-2

39. सुमेलित कीजिए – (ग्रंथ / ग्रंथकार)

सूची-I	सूची-II
A. हिततरंगिणी	1. केशवदास
B. सुदामाचरित	2. नरोत्तमदास
C. विज्ञानगीता	3. रहीमदास
D. मदनाष्टक	4. कृपाराम

- (क) A-1, B-2, C-4, D-3
 (ख) A-4, B-2, C-3, D-1
 (ग) A-4, B-2, C-1, D-3
 (घ) A-2, B-4, C-1, D-3

40. सुमेलित कीजिए – (ग्रंथ / ग्रंथकार)

सूची-I	सूची-II
A. कविकुलकल्पतरु	1. भूषण
B. वृत्तकौमुदी	2. पदुमनदास
C. छत्रसाल दशक	3. मतिराम
D. काव्यमंजरी	4. चिन्तामणि

- (क) A-4, B-2, C-1, D-3
 (ख) A-1, B-3, C-4, D-2
 (ग) A-4, B-3, C-1, D-2
 (घ) A-3, B-4, C-1, D-2

41. सुमेलित कीजिए – (ग्रंथ / ग्रंथकार)

सूची-I	सूची-II
A. रसपीयूषनिधि	1. कवीन्द्र
B. रससागर	2. भिखारीदास
C. रसचन्द्रोदय	3. श्रीपति
D. काव्यनिर्णय	4. सोमनाथ

- (क) A-2, B-3, C-1, D-4
 (ख) A-4, B-3, C-1, D-2
 (ग) A-4, B-2, C-1, D-3
 (घ) A-4, B-1, C-3, D-2

42. सुमेलित कीजिए – (प्रबंध/मुक्तक काव्य / रचयिता)

सूची-I	सूची-II
A. छत्रप्रकाश (प्रबंध)	1. लाल कवि
B. सुजानचरित (प्रबंध)	2. लाल कवि
C. जगद्विनोद (लक्षण ग्रंथ)	3. सूदन
D. विष्णुविलास (मुक्तक)	4. पद्माकर

- (क) A-2, B-1, C-4, D-3
 (ख) A-1, B-3, C-4, D-2
 (ग) A-2, B-3, C-1, D-4
 (घ) A-2, B-3, C-4, D-1

43. सुमेलित कीजिए – (कवि / विशिष्टता)

सूची-I	सूची-II
A. जसवंत सिंह	1. देवमायाप्रपंच नाटक
B. सोमनाथ	2. शकुन्तला नाटक
C. नेवाज	3. प्रबोधचन्द्रोदय नाटक
D. देव	4. माधवविनोद नाटक

- (क) A-3, B-4, C-2, D-1
 (ख) A-3, B-4, C-1, D-2
 (ग) A-4, B-3, C-2, D-1
 (घ) A-3, B-1, C-2, D-4

44. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

- (क) आचार्य केशवदास रीतिबद्ध कवि हैं
 (ख) बिहारी रीतिसिद्ध हैं
 (ग) रीतिसिद्ध कवि केशवदास हैं
 (घ) घनानंद रीतिमुक्त हैं

45. रीतिकाल में किस रूप में प्रकृति-चित्रण प्रमुखतः हुआ?

- (क) आलम्बन रूप में
 (ख) उद्दीपन और अलंकार रूप में
 (ग) प्रतीक रूप में
 (घ) रहस्यवादी रूप में

46. रीतिकाव्य में रस की दृष्टि से प्रधान रस कौन-सा है?

- (क) शृंगार (ख) वीर
 (ग) शान्त (घ) करुण

47. Jharkhand TGT 2017 के अनुसार शृंगार रस के उदाहरण सर्वाधिक किस काल में लिखे गए?

- (क) भक्तिकाल (ख) आदिकाल
 (ग) आधुनिक काल (घ) रीतिकाल

48. संस्कृत काव्यशास्त्र के पाँच सम्प्रदाय कौन-से हैं?

- (क) रस, छन्द, गुण, दोष, ध्वनि
 (ख) अलंकार, गुण, वृत्ति, शय्या, पाक
 (ग) रस, अलंकार, रीति, वक्रोक्ति, ध्वनि
 (घ) प्रमाण, तर्क, न्याय, वैशेषिक, मीमांसा

49. कौन-सा छंद फारसी का है?

- (क) दोहा (ख) रुबाई
 (ग) कवित्त (घ) सवैया

50. रीतिकाव्य में छन्दों की दृष्टि से दोहे के साथ और कौन-से छंद प्रमुख रहे?

- (क) कवित्त और सवैया (ख) चौपाई और बरवै
 (ग) गज़ल और रुबाई (घ) रोला और सोरठा

सेट-1 : उत्तर-सारणी

1 - ख	2 - क	3 - घ	4 - ग	5 - ख	6 - क	7 - घ	8 - ग	9 - ख	10 - क
11 - घ	12 - ग	13 - क	14 - क	15 - घ	16 - ग	17 - क	18 - क	19 - घ	20 - ग
21 - ख	22 - क	23 - क	24 - ग	25 - ख	26 - क	27 - घ	28 - क	29 - ख	30 - क
31 - घ	32 - ग	33 - ख	34 - क	35 - घ	36 - ग	37 - ग	38 - क	39 - घ	40 - ग
41 - ख	42 - क	43 - घ	44 - ग	45 - ख	46 - क	47 - घ	48 - ग	49 - ख	50 - क
51 - घ	52 - ग	53 - ख	54 - क	55 - क	56 - क	57 - ख	58 - क	59 - घ	60 - ग
61 - ख	62 - क	63 - घ	64 - घ	65 - ख	66 - क	67 - घ	68 - ग	69 - ख	70 - क
71 - घ	72 - ग	73 - ख	74 - क						

उत्तरमाला एवं व्याख्या

क. नामकरण — किसने क्या कहा?

1. (ख) रीतिकाव्य

ग्रियर्सन ने 'मॉडर्न वर्निक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिंदुस्तान' में इसे 'रीतिकाव्य' कहा; 'चारणकाल' उन्होंने आदिकाल को कहा था।

2. (क) अलंकृत काल

मिश्रबंधु (गणेश बिहारी, श्याम बिहारी, शुकदेव बिहारी) — 'अलंकृत काल'।

3. (घ) शृंगारकाल

विश्वनाथ प्रसाद मिश्र — 'शृंगारकाल'; इसके दो भाग उन्होंने रीतिबद्ध तथा रीतिमुक्त माने।

4. (ग) डॉ. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'

'कलाकाल' — डॉ. रमाशंकर शुक्ल 'रसाल'।

5. (ख) त्रिलोचन

गोविंद अनुसार 'अंधकार काल' — त्रिलोचन।

6. (क) A-4, B-3, C-2, D-1

शुक्ल — रीतिकाल; मिश्रबंधु — अलंकृत काल; विश्वनाथ प्रसाद मिश्र — शृंगारकाल; रसाल — कलाकाल।

7. (घ) केवल I, III और IV

II गलत — मिश्रबंधुओं ने 'अलंकृत काल' कहा; 'शृंगारकाल' विश्वनाथ प्रसाद मिश्र का है। सही कथन I, III और IV हैं।

8. (ग) सं. 1700 से सं. 1900

शुक्ल — उत्तरमध्यकाल (रीतिकाल) सं. 1700-1900 अर्थात् 1643-1843 ई.।

9. (ख) 1643 ई. से 1843 ई.

विक्रम संवत् में से 57 वर्ष घटाने पर 1700-57 = 1643 तथा 1900-57 = 1843 ई.।

10. (क) रीतिग्रंथकार कवि तथा अन्य कवि

आदि के अनुसार शुक्ल ने रीतिग्रंथकार कवियों तथा अन्य कवियों का भेद किया।

11. (घ) रामचन्द्र शुक्ल

शुक्ल — इसी आधार पर वे इस काल को रस की दृष्टि से 'शृंगारकाल' कहे जा सकने की बात करते हैं।

12. (ग) केशवदास, बलभद्र, सुंदर, चिन्तामणि, भूषण, मतिराम, प्रताप साहि

ग्रियर्सन के 'रीतिकाव्य' अध्याय में केशवदास से प्रताप साहि तक के कवि आते हैं।

13. (क) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या है

'रीति' का अर्थ काव्यांग-निरूपण की पद्धति है; उसी की प्रधानता के कारण शुक्ल ने यह नाम चुना।

ख. प्रवर्तक-विवाद और काल-सीमा

14. (क) कृपाराम

'हिततरंगिणी' (1541 ई.) कृपाराम की रचना होने से कालक्रम की दृष्टि से वे पहले रीतिकार हैं।

15. (घ) केशवदास

नगेन्द्र आदि ने रचनाकार-व्यक्तित्व की समृद्धि की दृष्टि से केशवदास को प्रवर्तक माना।

16. (ग) चिन्तामणि त्रिपाठी

शुक्ल — 'हिंदी में रीतिग्रंथों की अविरल और अखंडित परंपरा का प्रवर्तन केशव की कविप्रिया के प्रायः पचास वर्ष पीछे चला'।

17. (क) A-2, B-4, C-1, D-3

तीन दृष्टियाँ — कृपाराम (कालक्रम), केशव (व्यक्तित्व; नगेन्द्र), चिन्तामणि (शुक्ल)।

18. (क) 1541 ई.

'हिततरंगिणी' (1541 ई.) नायिका-भेद/रीति-निरूपण की सबसे पुरानी पुस्तकों में है।

19. (घ) शृंगार तथा नायिका-भेद

कृपाराम की हिततरंगिणी नायक-नायिका भेद विवेचन का ग्रंथ है।

20. (ग) कृपाराम, करनेस कवि, मोहनलाल मिश्र

/शुक्ल — केशव-पूर्व रीतिकार: कृपाराम, करनेस, मोहनलाल मिश्र।

21. (ख) करनेस कवि

ये तीनों अलंकार-ग्रंथ करनेस कवि के हैं।

22. (क) मोहनलाल मिश्र

मोहनलाल मिश्र का 'शृंगारसागर' केशवदास से पूर्व का रीतिग्रंथ है।

23. (क) केवल I, III और IV

II गलत — नगेन्द्र ने केशवदास को माना है; चिन्तामणि शुक्ल की पसंद हैं। सही कथन I, III और IV हैं।

यह केवल नमूना (Sample) है

पूरी PDF में आपको मिलेगा —

- 📖 **रीतिकाल** — 779 MCQ, 10 टॉपिक-वार सेट
- 📝 नामकरण व वर्गीकरण, केशव, चिन्तामणि, भूषण, देव, पद्माकर आदि आचार्य
- 🌟 बिहारी, रीतिमुक्त धारा (घनानंद, आलम, बोधा, ठाकुर), वीर-नीति काव्य
- 🕒 पंक्ति-पहचान, कालक्रम, मिलान — परीक्षा-अभ्यास सेट
- 🎯 कथन, सत्य/असत्य, अभिकथन-कारण, मिलान, कालक्रम — **UGC NET/JRF स्तर** के प्रश्न
- ✅ हर सेट के बाद **उत्तर-सारणी + उत्तरमाला-व्याख्या**
- 📝 हर सेट के बाद अपने **नोट्स लिखने के पृष्ठ**
- 📄 कुल **96 पृष्ठ** • क्लिक करने योग्य विषय-सूची

केवल ₹99



पूरी PDF अभी खरीदें — store.hindisahity.com



कोई प्रश्न? WhatsApp करें: 9680260474

UGC NET/JRF • SET • TGT • PGT • UPSC • RPSC — सभी हिंदी साहित्य परीक्षाओं के लिए उपयोगी